

 सत्यमेव जयते	राजस्थान राजपत्र विशेषांक	RAJASTHAN GAZETTE Extraordinary
	साधिकार प्रकाशित	Published by Authority
	कार्तिक 20, सोमवार, शाके 1946- नवम्बर 11, 2024 Kartika 20, Monday, Saka 1946- November 11, 2024	

भाग-1(ख)

महत्वपूर्ण सरकारी आज्ञायें।

वन विभाग (क)

विज्ञप्ति

जयपुर, अक्टूबर 18, 2024

संख्या प. 2(54)वन/2024 :-चूंकि इसके साथ संलग्न प्रथम अनुसूची में बतलाई गई वन-भूमि अथवा बंजर भूमि सरकार की सम्पत्ति है या उसमें सरकार स्वामित्वाधिकार रखती है अथवा सरकार उसकी सम्पूर्ण वन उपज या उसके किसी भाग की हकदार है।

और चूंकि सरकार पूर्वोक्त वन-भूमि और बंजर भूमि को राजस्थान वन-अधिनियम, 1953 की धारा 29 की उप-धारा (1) के अधीन रक्षित वन घोषित करने का विचार रखती है।

और चूंकि पूर्वोक्त भूमि में अथवा उस पर सरकार और प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा का अभी तक किसी प्रकार अभिलेखन नहीं किया गया है।

और चूंकि सरकार यह भी सोचती है कि पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में अथवा उस पर सरकार अथवा प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों के प्रकार और सीमा के विषय में जांच करवाना और उनका अभिलेखन कराया जाना आवश्यक है, परन्तु इस कार्य में इतना अधिक समय लग जावेगा जिसके बीच में सरकार के अधिकारों को क्षति पहुँचने की आशंका है।

अतः अब राजस्थान वन अधिनियम, 1953 (1953 का अधिनियम संख्या 13) की धारा 26 की उप-धारा (3) के प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में सरकार एतद् द्वारा वन बन्दोबस्त अधिकारी/सहायक वन बन्दोबस्त अधिकारी को पूर्वोक्त वन-भूमि अथवा बंजर भूमि में या उन पर सरकार या प्राइवेट व्यक्तियों के अधिकारों की जांच तथा अभिलेखन करने के लिए नियुक्त करती है और ऐसी जांच व अभिलेखन जहां तक व्यवहार्य हो, उपर्युक्त अधिनियम की धारा 6, 7, 8, 10, 11 (1) 12, 14, 17, 18, 19 में प्रवाहित विधि के अनुसार ही किया जावेगा।

और उपर्युक्त अधिनियम की धारा 29 की उप धारा (3) के परन्तुक (Proviso) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में राजस्थान सरकार पूर्वोक्त जांच और अभिलेखन होने तक एतद्द्वारा कथित वन-भूमि और बंजर भूमि को रक्षित वन घोषित करती है, परन्तु इससे व्यक्तियों अथवा वर्गों के वर्तमान अधिकारों में कमी नहीं होगी और न उन पर कोई प्रभाव पड़ेगा।

और उसकी धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अग्रेतर अनुसरण में सरकार यह भी घोषित करती है कि इसके साथ संलग्न द्वितीय अनुसूची में दिखाये गये कथित रक्षित वन में स्थित वृक्ष इस विज्ञप्ति के राज-पत्र में प्रकाशित होने की तारीख से आरक्षित किए जाते हैं और पूर्वोक्त तारीख में कथित वन में किसी खदान से पत्थर निकालना या चूना या कोयला जलाना या किसी वन उपज का संग्रह किया जाना या किसी निर्माण प्रक्रिया या

साधन बनाया जाना और कथित वन में किसी भूमि को कृषि के लिए या मकान बनाने के लिए या पशु-पालन के लिए अथवा किसी अन्य प्रयोजन के लिए तोड़ा जाना, साफ किया जाना निषिद्ध करती है।

प्रथम अनुसूची (वन भूमि और बंजर भूमि)

द्वितीय अनुसूची (आरक्षित वृक्ष)

राज्यपाल की आज्ञा से,

बीजो जॉय,

विशिष्ट शासन सचिव, वन।

प्रथम अनुसूची

क्र.सं.	नाम ब्लाक	तहसील	जिला	सीमा	विवरण			
					ग्राम	खसरा नम्बर	रकबा हैक्टर	कुल रकबा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सरवणी वेण 'अ'	झल्लारा	सलूम्बर	उत्तर- वन खण्ड सरवणी वेण दक्षिण- ग्राम मोरीला पूर्व- ग्राम बोरज मजावद पश्चिम- खातेदार	नानगा	902/816	29.40	29.40
2	सरवणी वेण 'ब'	सलूम्बर	सलूम्बर	उत्तर- खातेदार दक्षिण- ग्राम पायातालाब पूर्व- वन खण्ड सरवणी वेण पश्चिम- ग्राम गावडापाल	आडावेला	64	0.58	52.05
						65	0.01	
						66	0.39	
						67	0.04	
						68	0.02	
						126	51.01	
3	सरवणी वेण 'स'	झल्लारा	सलूम्बर	उत्तर- खातेदार दक्षिण- राज सरकार पूर्व- राज सरकार पश्चिम- ग्राम पाल गावडा	पायातालाब	10	0.13	13.34
						11	0.21	
						12/1	13.00	
4	सरवणी वेण 'द'	झल्लारा	सलूम्बर	उत्तर- ग्राम आडावेला दक्षिण- खातेदार पूर्व- राज सरकार पश्चिम- ग्राम पाल गावडा	पायातालाब	1	36.00	53.50
						547/1	17.50	
5	सरवणी वेण 'य'	सलूम्बर	सलूम्बर	उत्तर- वन खण्ड सरवणी वेण दक्षिण- चारागाह पूर्व- चारागाह पश्चिम- चारागाह	गावडापाल (हाल उपलाफला)	3606/3567	84.48	84.48
						किता-13		232.77 हैक्टर

दिलीप सिंह चौहान,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
सलूम्बर।

मुकेश सैनी I.F.S.,
उप वन संरक्षक,
उदयपुर।

वनखण्ड- “सरवणी वेण अ, ब, स, द, य”

में आने वाले पेड़ों की सूची

क्र.सं.	अन्तराष्ट्रीय (लेटीन) नाम	स्थानीय नाम	कुल
1	Acacia catechu (L.f) willd.	खैर, खेड़ा	Mimosaceae
2	Acacia leucophloea (Roxb.) Willd.	रौंझ, अरूझिया	Mimosaceae
3	Acacia senegal (Linn.) Willd.	कुमठा	Mimosaceae
4	Anogeissus acuminata (Roxb.ex DC.) Guill.	धोंक	Combretaceae
5	Anogeissus latifolia (Roxb.ex DC.) Wall.	धावडा	Combretaceae
6	Azadirachta indica A.Juss	नीम	Meliaceae
7	Bombax ceiba Linn.	सेमल, सेमला	Bombacaceae
8	Boswellia serrata Roxb.ex Coleb.	सालर	Burseraceae
9	Dalbergia sissoo Roxb.	शीशम	Fabaceae
10	Phoenix sylvestris (L.) Roxb.	खजूर	Arecaceae
11	Wrightia arborea (Dennst.) Mabb.	खिरना, दूधी, खन्नी	Apocynaceae

दिलीप सिंह चौहान,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
सलूमबर।

मुकेश सैनी I.F.S.,
उप वन संरक्षक,
उदयपुर।

वन खण्ड - सरवणी वेण अ, ब, स, द, य

रैंज - सलूमबर

वन मण्डल - उप वन संरक्षक, उदयपुर

1. संलग्न प्रारूप में दर्शाई गई भूमि Diversion of 281 hectare (Revised) of forest land for mining of serpentine in favour of 136 Lease Holders in Dist. Udaipur, Rajasthan की स्थापना हेतु तहसील झल्लारा के ग्राम नांगगा आ.सं. 902/816 रकबा 29.40 हैक्टर एवं आडावेला बी आ.सं. 64 रकबा 0.58 हैक्टर, 65 रकबा 0.01 हैक्टर, 66 रकबा 0.39 हैक्टर, 67 रकबा 0.04 हैक्टर, 68 रकबा 0.02 हैक्टर, 126 रकबा 51.01 हैक्टर एवं ग्राम पायातालाब आ.रा.स. 1 रकबा 36.00 हैक्टर, 10 रकबा 0.13 हैक्टर, 11 रकबा 0.21 हैक्टर, 12 रकबा 13.00 हैक्टर, 547/1 रकबा 17.50 हैक्टर एवं ग्राम गावडापाल (हाल उपलाफला) आ.रा.स. 3567/3349 रकबा 84.48 हैक्टर कुल किता 13 रकबा 232.77 हैक्टर भूमि वर्गीकरण मगरी व पहाड क्रमशः बिलानाम है, जिसे विज्ञप्ति के कॉलम 6 में विस्तृत रूप से खसरा नम्बरों का विवरण दर्शाया गया है।
2. वर्तमान में भूमि राजस्व लेखों में वन विभाग दर्ज है तथा मौके पर विभाग द्वारा कुछ क्षेत्रों में विकास कार्य कराना है। इनमें कोई अतिक्रमण अथवा खनन कार्य नहीं हो रहा है। क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित करने के लिए जिला कलक्टर से सहमति प्राप्त कर ली गई है, जो प्रस्ताव के साथ संलग्न है।
3. इस क्षेत्र में पौधारोपण/विकास कार्य करवाया गया है तथा कोई खनन कार्य नहीं हुए है। भविष्य में इस क्षेत्र में क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण/विकास कार्य कराए जाना प्रस्तावित है।
4. भूमि पर वृक्षों की घनत्व कुछ क्षेत्रों में 0.2 प्रतिशत है। तथा कुछ क्षेत्रों में नगण्य है। इस वनखण्ड में प्रमुख प्रजातियों झाड़ियों का लगभग 0.2 प्रतिशत क्रमशः है तथा कुछ क्षेत्रों में घनत्व नगण्य है।
5. समीपवर्ती स्थित क्षेत्र वनखण्ड सरवणी वेण (वन) भूमि है तथा चारों ओर की सीमा का विस्तृत उल्लेख विज्ञप्ति के कॉलम संख्या 5 में कर दिया गया है।
6. वन खण्डों के वाछित मानचित्र (नक्शे) संलग्न है एवं विज्ञप्ति में दिखाई गई दिशाओं सीमा स्थिति के अनुरूप है। प्रस्तावित वन क्षेत्रों की सीमा को नक्शों में लाल स्याही से इंगित किया गया है। प्रस्तावित क्षेत्र को जी.टी. शीट पर चिन्हित किया जाकर प्रस्ताव के साथ संलग्न किया गया है।
7. प्रस्तावित क्षेत्रों की विज्ञप्तियों के प्रारूप यथा विधि पूर्व में नहीं भेजने के कई कारण रहे हैं किन्तु अब तक उल्लेखित वन क्षेत्रों के कानूनी स्वरूप देने हेतु प्रचलित नियमों के अनुरूप शासकीय गजट में प्रकाशन होना नितान्त आवश्यक है, जिससे कि इन भूमियों पर वन विभाग का साक्ष्यसिद्ध हो सकें।
8. उक्त वन भूमि का पूर्व में राजपत्र में प्रकाशन नहीं हुआ है।

दिलीप सिंह चौहान,
क्षेत्रीय वन अधिकारी,
सलूमबर।

मुकेश सैनी I.F.S.,
उप वन संरक्षक,
उदयपुर।

राज्य केन्द्रीय मुद्रणालय, जयपुर।